हाई कोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Class - 1

कर्मचारी भर्ती परीक्षा 2026

राजस्थानी मुहावरे

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

- खिचड़ी पकाणी - गुप्त रूप से किसी के लिए कोई षड़यंत्र रचना।
- खोट वापरणौं - मन में छल-कपट उत्पन्न होना।
- गाल बजाणा- बढ़-चढ़कर बातें मारना।
- घट्टी पीसणी- कड़ा परिश्रम करना।
- घूंट पीणौं - सहन करना / बर्दाश्त करना ।
- खरी मजूरी चोखो दाम - मेहनत से काम करने वाले पूरा वेतन चाहते हैं।
- खाय धणी को, गीत गावें बीरे का - उचित व्यक्ति को श्रेय नहीं देना।
- खटाई में नांखणौं - समस्या में छोड़ देना।
- खाटा लारै खीचड़ौं ई आवें- जैसे को तैसा ।
- खाटी छा नैं राबड़ी में खोणौं - बिगड़े हुए काम को और भी बिगाड़ना।

- पसीना रौं खून करणौं - अथक परिश्रम करना।
- पहाड़ टूटणौं, पहाड़ टूट पड्यो - अचानक भारी दुःख आ जाना।.
- पहाड़ सूं टक्कर लैणी - बड़े दुश्मन से सामना करना।
- पांणी पिछांणणौं - वास्तविकता समझना, असलियत जानना
- आँखियाँ नीची होणी- लज्जित होना।
- पढग्या पूत कुमार रा सोळा दूणी आठ- पढने मे असफल रहना।
- पराया गाबा पैंरणा- दूसरे के इशारे पर बढ़-चढ़कर बोलना।
- पलंग पकड़णौं - बीमार होकर बिस्तर पर पड़ जाना।
- मासों झेलणो - बीमार स्थिति मे बिस्तर पकड़ना ।
- पांणी देखणौं - किसी के स्वभाव की गहराई का पता लगाना

- खावै सूर कुटीजै पाडा - अपराध कोई करे और दण्ड किसी और को मिले।
- खीर में मूसळ दैणौं - बना बनाया काम बिगाड़ना।
- अंटी में आवणौं- किसी के जाल में फँसना ।
- अकल भांग खावणी- मूर्खता का काम करना।
- पांणी पी-पी पातळौं होणौं - झूठा अमीर बनना।
- आँखियाँ तरसणी- देखने के लिए आतुर होना।
- कूवै भांग पड़णी - सबकी बुद्धि मारी जाना।
- केसरिया करणौं - युद्धभूमि में मरने के लिए तैयार होना।
- चंदण लगाणौं - बेफिजूल खर्चा करवाना।
- चाबी भरणी- किसी के खिलाफ भड़काना।

- पेट में घुसणों, पेट में वड़णों - मन का भेद जानना।
- आँख चूकणी- लापरवाह होना या न देखना।
- पांचू आंगळी घी में होणी- चारों ओर से लाभ होना। सुख से दिन कटना,
- पांचू आंगळी बराबर नीं होणी- सबका समान या बराबर न होना।
- पांणी उतरणों - अपमानित होना या लज्जित होना ।
- कुंटों काढणों - अटका हुआ कार्य करना।
- बेगार भलाणी - बिना पारिश्रमिक काम आना
- चार चांद लगणा- अत्यधिक शोभा होना !
- पहेली बुझाणों - घुमा-फिरा कर कहना।
- पांणी ऊपरा कर फिरणों- काबू से बाहर हो जाना।

- पलक बिछाणी- अत्यंत प्रेम से स्वागत करना।
- छींटा नांकणा- चुभती बात कहना।
- पग बारै होणौं - बदचलन होना, व्यभिचारी होना ।
- पग राखण नैं ठिकांणौं होणौं - ठहरने का स्थान होना।
- पंगां नैं कुल्हाड़ी बांणौं - अपने हाथ अपना नुकसान करना।
- आँख/आँखिया फाटणी- आश्चर्य चकित होना।
- आँख रौ काजळ - बहुत प्यारा।
- काळौं पीळौं होनौं - क्रोधित होना।
- गढ़-किलौं जीतणौं - कठिन कार्य पर विजय पाना।

RAJASTHAN CLASSES राजस्थान क्लासेज

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

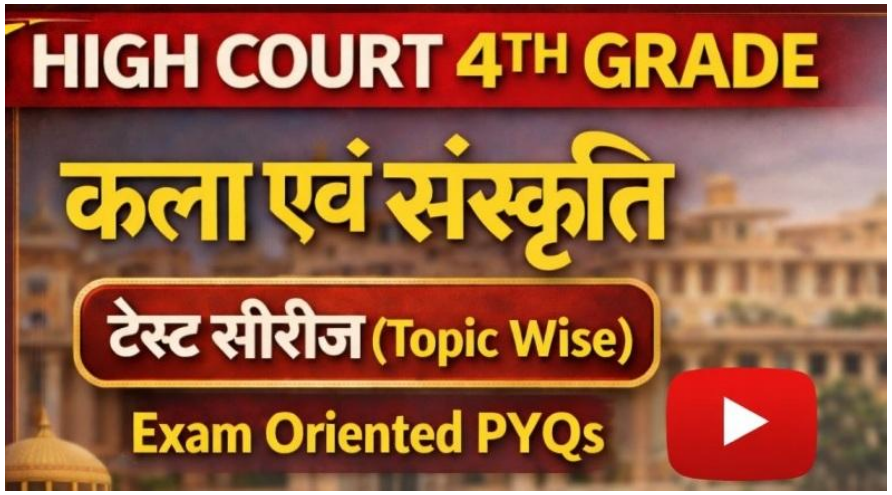

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे